http://www.vbspustudy.com

# 19/429

## M.A. (Previous) Examination, 2019

### HINDI

### Fifth (ङ) Paper

### (रचनाकारों का विशेष अध्ययन)

### (सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला')

*Time : Three Hours ]* *[ Maximum Marks : 100*

**निर्देश :** **सभी** खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

### खण्ड - अ

### (अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**नोट :** इस प्रश्न के **सभी** भागों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग 2 अंकों का है। 2×10=20

1. (क) राग-विराग के सम्पादक कौन हैं?

   (ख) निराला द्वारा विरचित चर्चित शोकगीत के विषय में वर्णन कीजिए-संक्षिप्त रूप में।



http://www.vbspustudy.com

http://www.vbspustudy.com



(ग) 'क्रान्तिकारी कवि निराला' किसकी रचना है?

(घ) 'धिक् जीवन जो पाता ही आया विरोध' किस संदर्भ में कहा गया है?

(ङ) निराला की पत्नी का नाम बताइये।

(च) निराला की मृत्यु कब और कहाँ हुई?

(छ) 'दु:ख ही जीवन की कथा रही' किस कविता की पंक्ति है?

(ज) 'मतवाला' का प्रकाशन कहाँ से होता था?

(झ) निराला का जन्म स्थान बतलाइये।

(ञ) 'जागो फिर एक बार' में किसके जागरण का आह्वान है?

### खण्ड - ब

### (व्याख्या एवं लघु उत्तरीय प्रश्न)

**नोट :** **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। 10×5=50

2. निम्नलिखित अवतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

हँसता है तो केवल तारा एक
गुँथा हुआ उन घुँघराले काले-काले बालों से,
हृदय राज्य की रानी का वह करता है अभिषेक ।
अलसता की-सी लता
किन्तु कोमलता की वह कली
सखी नीरवता के कन्धे पर डाले बाँह,
छाँह-सी अम्बर-पथ से चली ।



http://www.vbspustudy.com

http://www.vbspustudy.com

**अथवा**

जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर!
चूस लिया है उसका सार,
हाड़ मात्र ही है आधार
ऐ जीवन के पारावर!

3. निम्नलिखित अवतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

आम की यह डाल जो सूखी दिखी,
कह रही है - "अब यहाँ पिक या शिखी
नहीं आते, पंक्ति मैं वह हूँ लिखी
नहीं जिसका अर्थ -"
जीवन दह गया है।

**अथवा**

"धिक्! आए तुम ज्यों अनाहूत
धो दिया श्रेष्ठ कुल-धर्म धूत
राम के नहीं काम के सूत कहलाए ।
हो बिके जहाँ तुम बिना दाम,
वह नहीं और कुछ-हाड़-चाम ।
कैसी शिक्षा, कैसे विराम पर आए ।"



http://www.vbspustudy.com

http://www.vbspustudy.com



4. निम्नलिखित अवतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित न कर सका!
जाना तो अर्थागमोपाय,
पर रहा सदा संकुचित-काय
लखकर अनर्थ आर्थिक पथ पर
हारता रहा मैं स्वार्थ-समर।

**अथवा**

देखते देखा, मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार
देखकर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोई नहीं,
सजा सहज सितार,
सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार।

5. निराला की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

'जूही की कली' का काव्य-सौन्दर्य निरूपित कीजिए।



http://www.vbspustudy.com

http://www.vbspustudy.com



6. 'राम की शक्ति पूजा' में राम का संघर्ष स्वयं कवि निराला का संघर्ष भी है। सिद्ध कीजिए।

**अथवा**

निराला की भाषा पर प्रकाश डालिए।

## खण्ड - स

### (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**नोट :** किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है।

$15 \times 2 = 30$

7. छायावादी विशेषताओं के आधार पर निराला के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।
8. 'राम की शक्ति पूजा' निराला की श्रेष्ठतम कृतियों में से एक है। विवेचना कीजिए।
9. निराला बहु-वस्तुस्पर्शिनी प्रतिभा के साहित्यकार हैं। सिद्ध कीजिए।
10. एक शोक-गीत के रूप में 'सरोज-स्मृति' का मूल्यांकन कीजिए।
11. निराला की कविताओं में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ की विवेचना कीजिए।



http://www.vbspustudy.com

http://www.vbspustudy.com

http://www.vbspustudy.com